

This Booklet contains 20 printed pages.
इस पुस्तिका में 20 मुक्ति पृष्ठ हैं।

AK14I

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

PAPER—I / प्रश्न-पत्र—I
ODIA LANGUAGE SUPPLEMENT / उड़िया भाषा परिशिष्ट
PART—IV & V / भाग—IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

K

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक खोलें जब तक कहा न जाए।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Pages 19 & 20) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

For Instructions in Odia see Page 2 of this Booklet.
उड़िया में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।

Instructions for Candidates :

- This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part—IV (Language—I) OR Part—V (Language—II) in **ODIA** language, but **NOT BOTH**.
- Candidates are required to answer Parts—I, II, III from the Main Test Booklet and Parts—IV and V from the languages chosen by them.
- Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
- Use **Blue/Black Ballpoint Pen** only for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
- The CODE for this Language Booklet is **K**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
- This Test Booklet has Two Parts—IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :
 Part-IV : Language-I (Odia) (Q. Nos. 91-120)
 Part-V : Language-II (Odia) (Q. Nos. 121-150)
- Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Odia Language have been given. In case the language(s) you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Odia, please ask for a Test Booklet that contains questions on that Language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.
- Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.
- Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
- The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग—IV (भाषा—I) या भाग—V (भाषा—II) उड़िया भाषा में देता चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं।
- परीक्षार्थी भाग—I, II, III के ऊपर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग—I, V व V के ऊपर उनके द्वारा चुनी भाषाओं में।
- अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से मार्ग सकते हैं।
- इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करें, एवं ऊपर वज्र पर निराकार लगाने के लिए केवल चीजें/कामों वाले पॉलिपॉइंट पेन का प्रयोग करें।
- इस भाषा पुस्तिका का संकेत **K** है। यह पुस्तिका का ले कि यह भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर लगे संकेत से भिन्न है। आप इह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुम्हारा अलग बताएं।
- इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग—IV और V हैं, जिनमें 60 बहुविकल प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

 - भाग—IV : भाषा—I (उड़िया) (प्रश्न सं. 91-120)
 - भाग—V : भाषा—II (उड़िया) (प्रश्न सं. 121-150)

- भाग—I में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल उड़िया भाषा से साक्षरता प्रश्न दिए गए हैं। यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एवं) उड़िया के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका भाग ले। जिन भाषाओं के प्रश्नों के ऊपर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवघेषण नहीं चाहती चाहिए।
- परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाषा—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।
- एक कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रबोधन के लिए वी गई खाती जगह पर ही करें।
- सभी उत्तर-पत्रों के लिए, उत्तर बदलने हेतु केवल उत्तर-पत्र का प्रयोग निर्दिष्ट है।

Name of the Candidate (in Capitals) :

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में)

Roll Number (in figures) :

अनुक्रमांक (अंकों में)

(in words) :

(शब्दों में)

Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में)

Candidate's Signature :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

Invigilator's Signature :

निरीक्षक के हस्ताक्षर

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent

14-I

14

এই প্রশ্নকরে 20 পুষ্টি আছে।

AK14I

প্রশ্নপত্র—I
ওଡিআ ভাষা পরিশিষ্ঠা
ভাগ—IV & V

পরামর্শ প্রশ্নকরে কোড



নির্দেশ ন মিহিবা যাব এই প্রশ্নপত্র খোজাতু নাহি।

প্রশ্নপত্র পঞ্চাংশে (পুষ্টি 19 & 20) ওডিআয়ারথবা নির্দেশপত্রকু জৰ গাবৰে পচা।

পরামর্শালোক নির্দেশাবলী :

- এই প্রশ্নপত্র মুখ্য প্রশ্নপত্রৰ অভিবিষ্ঠ পরিশিষ্ঠ অচে। যেৱে পরামর্শালোক ভাগ IV (ভাষা I) অথবা ভাগ V (ভাষা II) রে ওডিআ ভাষারে পরামর্শ দেবলৈ যোৗ কৰিছো, যেহেমানক পাৰ্শ্ব এবা উদ্বিষ্ট। মাত্ৰ দুৰছি কাগ পাৰ্শ্ব কুচে।
- পরামর্শালোক ভাগ I, II, III রে মুঝে প্রশ্নপত্রকু জৰুৰ দেবে এক ভাগ IV ও V যোৗানক পয়ত মুভাৰক ভাষারে দেবে।
- ভাষাটা ও ইংল ভাষারে প্রশ্নপত্র ভাগ IV ও V (মুখ্য প্রশ্নপত্র)ৰে বিআগায়ি। ভাষা পরিশিষ্ঠ পাৰ্শ্ব সুতৰে ভাবে প্রশ্নপত্র বিআধিব।
- কেবলম নাম কিয়া কলা বলু পথখ ফেডৰে জৰুৰ কোজিবা/চিৰুট কৰিবারে ব্যবহাৰ কৰিবো।
- এই প্রশ্নপত্র কোথা খোলি **K**, মুঝে প্রশ্নপত্র জৰুৰ অ জৰুৰ খাতাৰ পুষ্টি—2 যোৗান কোৱ কৰিবা নাহিব। ভাষা পরিশিষ্ঠৰ কোৱ মাধ্য যোৗান গোৱিব। এখুনে ব্যক্তিগত পত্ৰিকাক জোৱে, পরামাৰ্শ পত্ৰিকাক দৃষ্টি আভিশ্বেচনক প্রশ্নপত্র ব্যবহাৰ কৰিবো।
- এই প্রশ্নপত্র 2 ভাগৰে বিভক্ত, ভাগ IV ও V, যমুনায় 60টি নিৰ্দিষ্ট জৰুৰতনক প্ৰশ্ন যমকিট ও পুতেখক প্ৰশ্ন মুভানক 1 :
ভাগ—IV : ভাষা—I (ওডিআ) (পুষ্টি 91-120)
ভাগ—V : ভাষা—II (ওডিআ) (পুষ্টি 121-150)
- ভাগ—IV (ভাষা—I) রে 30 টি প্ৰশ্ন ও ভাগ—V (ভাষা—II) রে 30 টি পুৰু কৰিব। এই পুৰু পুৰুৰে কেবল ওডিআ ভাষারে প্ৰযুক্তি বিআগায়ি। যদি কেবল ওডিআ ভাষা I অথবা ভাষা II কৰ অন্য ভাষারে প্রশ্নপত্র গাঁথুৰ্থকৈ, যেহে ভাষারে প্ৰযুক্তি প্ৰশ্নপত্র মাগচু। আবেদন পত্ৰৰে জোুখ কৰিবারা ভাষাকু হ'ব দয়ন ভাষাহুপে বিবেদনা কৰিব।
- ভাগ—V (ভাষা—II) রে জৰুৰ দেবা পাৰ্শ্ব ভাগ IV (ভাষা I) ভাষা কৰ অন্য এক ভাষা, যাহা দয়ন ব্যবহাৰখব পেছি ভাষারে প্ৰশ্নপত্র বিআধিব।
- প্ৰশ্নপত্রে ‘ৰঘ কাৰ্য’ লেখাৰাবৰ্থক ছানৰে হ'ব কেবল জৰুৰ কৰায়াৰ পাৰিব।
- জৰুৰতনৰে দিবা কৰি OMR জৰুৰ খাতাৰে জৰুৰ দিবা কৰতু। এখুনে কৌণ্ডী পত্ৰিকাৰ জৰায়িব নাহি অথবা ধৰা কাৰ্য ব্যবহৃত হৈব নাহি।

পৰামৰ্শালোক নাম (দড় অঞ্চলৰে কেশকু) :

তোক নম্বৰ : (অকৰে কেশকু) :

(একৰে কেশকু) :

স্বাক্ষা কেশ (দড় অঞ্চলৰে কেশকু) :

পৰামৰ্শালোক মন্ত্ৰণালয় :

পৰামৰ্শালোক হাস্তাক্ষৰ :

Facsimile signature stamp of Centre Superintendent

**Candidates should answer
questions from the following
Part only if they have
opted for ODIA as
LANGUAGE—I**



ଭାଗ—IV : ଭାଷା—I

ଓଡ଼ିଆ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ : ନିମ୍ନ ପ୍ରଦର କବିତାଙ୍କଟି ପଡ଼ ଏବଂ ବିଆୟାଇହୁବା ପ୍ରଶ୍ନ (୨୧ ରୁ ୨୬)ସୁଚିକର ୫ଟି ଲେଖଣୀ ସମାବ୍ୟ ଉଚଚ ମଧ୍ୟାତ୍ମକ ଯଥାର୍ଥ ଉଚଚଟି ଉପର କର :

ମଧୁର ପ୍ରଦୋଷ ସମୟ,
ସୁଶ୍ରୁତିରଣ-ଦୋହା,
କବିମିଳା ଖେଳେ ଗରନେ,
ଧାର ସମୀର ଘୋଷା ।
ଗୋଧୂଳି ଉଚନେ ସୁଚିତ୍ର ।—
ଦିଶେ ଶତ ବରଣେ,
ଶତ ମନୋରଥ ହୁକେ ।—
ଯେତେ ଆଶା-କଳନକେ ।
କରଁସାରି ଲଜ୍ଜା-ଜୀମର
ଗାନ୍ଧିଶୂପର କାଯା,
ଦିବା ଅବସାନ ଦେଖିବା
କୁମେ ବିଷାରେ କାଯା ।
ବାରୁଣୀ ଦର୍ଶନ ପରାୟେ
ଖରେ ସର ସକିବ,
ସୁବର୍ଣ୍ଣ-ଲହରା ସୁଦର
ତହେ ମହ ଅନ୍ତିକା ।
ନାହିଁ ପାରାଗର ଅତୁରେ
ଗୀଏ ଅମର ଗୀତ,
ଅମର-ତତ୍ତ୍ଵ-ନର୍ତ୍ତନେ
ଦେବକା ହୃଦ ଧୂନିତ ।

୨୧. ଅମର ଗୀତ କିଏ ଗୀଏ ?

- ନାହିଁ ପାରାଗର
- ସୁବର୍ଣ୍ଣ ଲହରା
- କବିମିଳା
- କରଁସାରି ଲଜ୍ଜା

୨୨. 'ଆଶା-କଳନ' କେଉଁ ଅନବାର ?

- ବାରୁଣୀ ଦର୍ଶନରେ
- ଭୂପକ ଅନବାର
- ଅନୁପ୍ରାସ ଅନବାର
- ଉଦ୍‌ପ୍ରେଷଣ ଅନବାର

୨୩. 'ପ୍ରକୋଷ' ଉଚଚ ଅର୍ଥ କ'ଣ ?

- ସଂଧ୍ୟା
- ପାହାତି
- ସକାଳ
- ରାତି

୨୪. କବିମିଳା ଦେଖିବି ଖେଳେ ?

- ବାରୁଣୀ ଦର୍ଶନରେ
- ସୁବର୍ଣ୍ଣ ଲହରାରେ
- ଗରନରେ
- ମେଘରେ

୨୫. 'କାଯା' ଉଚଚ ଅର୍ଥ କ'ଣ ?

- ପବନ
- ମେଘ
- ଶରାବ
- ସୂର୍ଯ୍ୟ

୨୬. ଅମର-ତତ୍ତ୍ଵ-ନର୍ତ୍ତନରେ କ'ଣ ହୃଦ ?

- ଦେବକା ଧୂନିତ ହୃଦ
- ଦିବା ଅବସାନ ହୃଦ
- ସର ସକିବ ଖରେ
- ମହ ଅନିବ ବହେ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ : ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରସ୍ତର ଚାଗୋଟି ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ଉତ୍ତର ମଧ୍ୟରୁ ଯଥାର୍ଥ ଉତ୍ତରଟି ଉତ୍ତର କରି ପ୍ରସ୍ତୁ (97 ରୁ 111) :

97. ଗୋଟିଏ ପ୍ରସ୍ତର ଏକ ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପରିଲ୍ଲେଖରେ କେତେକ ଶବ୍ଦ ହାତି ହୋଇ ଯାଉଛି । ଉତ୍ତରଦାତାଙ୍କର ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ମଧ୍ୟ ଏବଂ — ପରାମା ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ଉତ୍ତର କରି ଶୁଣ୍ୟାବଳୀ ପୂରଣ କରିବା ଉଚିତ ।

- (1) କୁଡ଼ାନ ଶବ୍ଦ ବ୍ୟବହାର
- (2) ସଂକ୍ଷେପରେ ସାରବଥା
- (3) ଶବ୍ଦର ବନାନ
- (4) ବୋଧଶବ୍ଦି

98. କେବେଳି ପଠନବୋଧମୂଳକ ପ୍ରସ୍ତୁ ?

- (1) କେବେ ଉତ୍ତରାବ୍ୟ କବି ଜୋବେର ପୁରୁଷର ପାଇଛନ୍ତି ?
- (2) କାରଣ ଦେଖାଇଲୁ ଅନ୍ୟ କେବେ ପୁଷ୍ଟକ ପଢ଼ିଛି ?
- (3) ନିଜର ଏବଂ ବାକ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ‘ଗ୍ରୁହଣ’ର ବ୍ୟବହାର ଦର୍ଶାଯ
- (4) ‘ହୋଟେଲ’ର ଉତ୍ତରର ପରାମାରକ

99. କ୍ରେମନ ବ୍ୟବହାର କିମ୍ବା କବିବା, କୁଳ ଆଜିବା ଏବଂ ଅନ୍ୟ ଲୋକିକ ହାତି ପ୍ରସ୍ତୁତ ଅଛି କାମ ପାଇଁ ହାତୁ ବା ଛାତ୍ରଶକ୍ତି ଅର୍ଥ କୁଟି ଲେଖିବା ପାଇଁ ପ୍ରଥମେ ସଠିକ୍ କୌଣସି ହାତି କବିବା ଉଚିତ ।

- (1) ଆବେଦିକ
- (2) କାନ୍ଦନଧାରଣ
- (3) ବିଭନ୍ନ ଦଶତା
- (4) ମୋହର

100. ବଞ୍ଚିତପୂର୍ଣ୍ଣ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀରେ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ କେତେକ ବିଷୟରେ ଅବଶ୍ୟକ ଜାହିଦା ଜାତି ଯଥା

- (1) ଅନ୍ୟ ଗାଖରେ ସଠିକ୍ କାବେ ଉପରୀପନ କରିବା, ସଂକ୍ଷେପାକରଣ ସୂଚା ବ୍ୟବହାର କରିବା, ଉପଯୁକ୍ତ ଫର୍ମାଟର ବ୍ୟବହାର କରିବା
- (2) ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଲୋକେସି ଫର୍ମାଟ ବ୍ୟବହାର ନକରିବା
- (3) କିନ୍ତୁ ଫର୍ମାଟ, ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଅନୁକୂଳି, ସଂକ୍ଷେପାକରଣ ସୂଚାର ବ୍ୟବହାର
- (4) ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଅନୁକୂଳି ଠାକୁ ଦୂରରେ ଜାହିଦା, ଠିକ୍ ଫର୍ମାଟ ବ୍ୟବହାର କରିବା

101. ରାଷ୍ଟ୍ରାବ୍ୟ ଉତ୍ତରଦାତାଙ୍କ ନିୟମକୁ ମାନି କଥାବାରୀ କରାବେଳେ ଏବଂ ଛାତ୍ରଶକ୍ତିର କୌଣସି ଏବଂ କାଷା ଅଧ୍ୟୟନକେବେଳେ ଆମ୍ବ୍ରାଫ୍ୟେସ୍-ହରାଇ ବସିଥାଏଟି । ଏଥିରୁ ମୁକ୍ତ ହେବାର ଏକ ଉପାୟ ହେଉଛି

- (1) କ୍ଲାସ୍‌ରୁମରେ ରାବ ବିନିମୟ ପାଇଁ ଖେଳ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରୁ ଯାନ ଦେଖା
- (2) କଣେ ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ସ୍ଵତତ୍ତ୍ଵ ସିଦ୍ଧତ୍ତେରାପି ବା କଥମୁଧାର ପଢ଼ିର ବ୍ୟବହାର କରିବା
- (3) ଭ୍ରମ ସଂଶୋଧନ କରିବା
- (4) କ୍ଲାସରେ ପିଲାମାନେ ଜଳସ୍ତୁରରେ ପଠନ କରିବା

102. କବିତାର ଏକ ଧାର୍ତ୍ତି ଏଠାରେ ପ୍ରମର ହୋଇଛି । ଏଥରେ ଲେଇଁ ଶବ୍ଦଟି ହାତି ହୋଇ ଯାଇଛି ଅନୁମାନ କରି ଶୁଣ୍ୟାବଳୀ ପୂରଣ କରା ।

“କେତେ ରୋକ ରକା ପରମ୍ପରା ଦେବ, ଯାହାକି — କିନିଷ ନେଇବା”

- (1) ଦୋଷିକା
- (2) ବିଲାତା
- (3) ସୁଦେଶୀ
- (4) ଦେଖା

- 103.** ଏମିତି ଏକ ସମୟ ଆସେ ଯେତେବେଳେ ପିଲାରି
ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା ଅଛି ସହଜରେ ଏକ ଭାଷାକୁ
ଆୟର କରିଥାଏ
- ୫ ବର୍ଷ ବୟସ ପୂର୍ବରୁ
 - ୮ ବର୍ଷ ବୟସ ପରେ
 - ୧୦ ବର୍ଷ ବୟସ ପୂର୍ବରୁ
 - ୧୩ ବର୍ଷ ବୟସ ପରେ
- 104.** ମାଧ୍ୟମଟି ବାହ୍ୟ : ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଅଛି ଅଧିକ
ତଥ୍ୟ ଦେଇ ଅଧିକ ବିଷୟର ମାନ ଢୁକ୍ଷ
କରାଯାଉଥାରେନା ।
- ଚିତ୍ରିତ୍ୟବ୍ରତ ଯତ୍ନ
 - ବିଧ୍ୟାବଳକ ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ/ତୃଷ୍ଣାକ ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ
 - ଓହରହେତ ପ୍ରୋକେକ୍ଟର ସ୍କୁଲ ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ/ସ୍କୁଲ ପ୍ରବର୍ତ୍ତନ
 - ବାଗଚ
- 105.** ଏକ ବୃଦ୍ଧଗାୟିକ ଶ୍ରେଣୀକଷରେ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀରଣ ଗୋଟିଏ
ମାତ୍ର ଭାଷା ଶିଖିଥାଏଇ ।
- ସାମୟିକଭାବେ ଦଳ ଦଳ ଭରି ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କୁ
ଦେଇବି ଏକଭାଷାକୁ କୁଞ୍ଜିବା ଦ୍ୱାରା ଅଧିକ
ଆହରଣ କରାଯାଉଥାଏ
 - ଲକ୍ୟ-ଭାଷାର ପକ୍ଷପତ୍ର ଯୋଗାଯୋଗ ପାଇଁ
ଅନ୍ୟ ଯେବେଳେଇ ଭାଷାର କଥାବାର୍ତ୍ତାକୁ ହତାଦର
କରାଯାଉଥାଏ
 - ଠିକ ଭାବେ ତୁଟ୍ଟି ନ ହେବାକୁ କ୍ଲାସି
ଅନ୍ତରକ୍ଷଣୀୟ ହୋଇଥାଏ
 - ଲକ୍ୟ-ଭାଷାର ବନ୍ଦବନ୍ଦର ଓ ଉଲଭାବେ
କୁଞ୍ଜିବା ଦ୍ୱାରା କଥନବାର୍ତ୍ତାର ବୈଚିକ୍ରିୟ ଏବଂ
ବ୍ୟାକରଣର ସୂଚନା ସମକ୍ଷରେ ସୁଯୋଗ ସ୍ଥିତି
କରିଥାଏ ।
- 106.** ଦ୍ୱିଭାଷ୍ୟ ଭାଷା/ବିଦେଶୀ ଭାଷାରେ କଣେ ଭାଷା
ଶିଖିଥାଏଇ ପାଇଇମନ୍ତା ଭାବ କରିବା ଦିଗନ୍ତକୁ ଭାଷା
ପରିବର୍ତ୍ତନ ବିଶେଷରାବେ ପ୍ରଗତିକୁ କରିଥାଏ । ଏହି
ସମୟାର ସମାଧାନ ସେହିଭେବେକେ ହୋଇଥାଏ
ଯେତେବେଳେ ଉଣେ ଶିଖନ
- ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆମ୍ବିଶ୍ଵାସ ଢୁକ୍ଷ ଓ
ଅଧିକ ଆଲୋଚନ ପାଇଁ ଦଳଗତ କାର୍ଯ୍ୟକୁ
ଦ୍ୱାରାହିତ କରିଥାଏ
 - ଅନ୍ୟଭାଷା ପ୍ରସିଦ୍ଧରେ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ
ଅଧିକିଧାକୁ ଭାବିବା ପାଇଁ ସାମୟିକ ଭାବେ
ନିର୍ଭୟାତକ ପରାମାନ କରାଇଥାଏ
 - ଅଧିକ ଢିକ୍ ବିଷୟ ଉପରୀକ୍ଷନ କରି ପଠନ
ସୋଧାନକୁ ତାତ୍ପର୍ଯ୍ୟ କରିଥାଏ
 - ପ୍ରଥମ ଭାଷାରେ ସାଧାରଣ ଭାଷାକୌଣସିର
ଭଲତି ପାଇଁ ଏବଂ ଦ୍ୱିତୀୟ ଭାଷା ଶିଖା ପାଇଁ ଏବଂ
ଦୃଢ଼ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ସ୍ଥିତି ଦେଇ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ
କାର୍ଯ୍ୟଭାବକୁ ଆପଣେଇ ଆବାହିତ
- 107.** ଏକ ଦ୍ୱାସରେ ସମାନ କ୍ଷମତାସମ୍ପର୍କ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ନଥୁରେ
ପରେଇ ପଡ଼ିଥିବା ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଶିଖବ କେବେଳେ
ପଦ୍ଧତିପରିବିତ୍ତ ପ୍ରହରଣ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ?
- ଭାବକୁ ଦିଅପାରଥ୍ୟବା ନିର୍ଭୟକ ପାଠକୁ ସହଜରେ
ଶେଷ କରିବା ପାଇଁ ଦିଲ ପିତାମାତାଙ୍କ ସହିତ
ଶିଖନକୁ ହେବିପାରିବେ
 - ଛୋଟ ଛୋଟ ଶ୍ରେଣୀ ପ୍ରକଳ୍ପ ମାଧ୍ୟମରେ କିବାର
ଆଲୋଚନା ପାଇଁ ଏବଂ ହେଲ ପାରିବେ,
ସାମୟିକ କୌଣସି ସ୍ଥିତି କରି ପାରିବେ ଏବଂ
ବଢ଼ିବଢ଼ ବକ୍ଷପତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଭାଗନେଇ
ପାରିବେ
 - ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ସହିତ ଭାଜଦେଇ ଲାଠିବା ଏବଂ
ମାହିରେ ଭଲତି ଆଶିବା ପାଇଁ ସୁଲ ଝୁଟି ପରେ
ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେଇଥିବା ସୁତତ ଦ୍ୱାସରେ ଉପହିତ
ହୋଇପାରିବେ
 - ସମୟାବ୍ଦୀ ସମାଧାନ ପାଇଁ ନିର୍ମିତ ଶ୍ରେଣୀଶିଖନ
ଏବଂ ମାନସିକ ଉଚ୍ଚଭାବୁ ସାମୟିକ ଭାବେ
ସାମାଜିକ ଉଚ୍ଚଭାବୁ ସାମୟିକ ଭାବେ

108. ସମୟ ସମୟ ପାଠ୍ୟକ୍ରମକୁ ପ୍ରସ୍ତୁତିକ ନିମ୍ନମାନର ବିଷ୍ଣୁ ଉଥେରିଛିବ ହୋଇଥାଏ । ଏଠାରେ ଶିକ୍ଷକଙ୍କାରୀ

- (1) ଅଛି ଅଛ ପାଠ୍ୟପ୍ରସ୍ତୁତକ ବ୍ୟବହାର କରିଥାଏ
- (2) ଅଧିକ ସାହିତ୍ୟକ ପଠନ ସାମଗ୍ରୀ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ଉପଦେଶ ଦେଇଥାଏ
- (3) ସର୍ତ୍ତନାସକ ଗାବନା ଏବଂ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନକାରୀ କର୍ଯ୍ୟାବଳୀ ଯୋଗାଇ ଦେଇଥାଏ
- (4) ଆଜ ଆଧାରିତ ପାଠ୍ୟର ବିଭାଗର ପ୍ରସ୍ତୁତ କରି

109. ଏହି ଲିଖିତ ପାଠ୍ୟ ଚୌରୀବଳାବେ ଆଲୋଚନା କରାବେବେ ବନାନ ଯୋଗୁ, ବିଭଦ୍ଵା ଗାନ୍ଧୀ ଶିଖୁମୁଖୀ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀଙ୍କାର ଅସୁରିଧାର ସମ୍ମାନ ହୋଇଥାଏ

ଏହି ଅସୁରିଧାକୁ ଦୂର କରାଯାଇ ପାରିବ

- (1) ଉତ୍ତରଣ ସହିତ ବନାନ ସମସ୍ୟା ସୃଷ୍ଟିକାରୀ ଶବ୍ଦକୁ ବଢ଼ିପାରିବେ କହିବା ଦ୍ୱାରା
- (2) ଏହ ପଠନ ଏବଂ ଉତ୍ତରଣରେ କାନ୍ତୁ ଯୋଗିବା ସମୟରେ ସର୍ବତ୍ର ଉତ୍ତରଣ ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଦ୍ୱାରା
- (3) ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଉତ୍ତରଣକୁ ଅନୁକରଣ କରିବା ଦ୍ୱାରା
- (4) ଅଭ୍ୟାସ ମାଧ୍ୟମରେ 'ସମସ୍ୟା' ସୃଷ୍ଟିକାରୀ ଶବ୍ଦକୁ ପଠନ ଦ୍ୱାରା

110. ଏବ ଗାନ୍ଧୀ ପ୍ରକିଷଣ କୁଦରେ ବିଶେଷକରି ସ୍ଵତନ୍ତ୍ର ଦଶତାବଦୀର ଶାତ୍ରମାନକ ମଧ୍ୟରେ ଏକାଧିବୋଧ, ସାପଳି ଏବଂ ଆୟ-ନିର୍ଭବତା ହଜିବ ଗାବନାକୁ ଉନ୍ନାତ ଦରାୟାଇପାରିବ

- (1) ସେମାନଙ୍କ ଏକକ ଆବଶ୍ୟକତାକୁ ଲାଭ୍ୟରୀ ଯୋଗ୍ୟତା ସମ୍ମର ବ୍ୟକ୍ତିକୁ ନିମ୍ନତି ଦେବା ଦ୍ୱାରା
- (2) ଅନ୍ୟ ସହପାଠୀମାନଙ୍କ ଠାରୁ ବିକ୍ରି କରି ସେମାନଙ୍କ ଏକଙ୍କିତ ବର୍ଣ୍ଣ ନିଶ୍ଚାରବା ଦ୍ୱାରା
- (3) ବିକିଳ ପ୍ରତାରର ପାଠ୍ୟବିଷୟକ ପ୍ରସ୍ତୁତ ପ୍ରବାନ ଦ୍ୱାରା
- (4) ସମବାସ ଶିକ୍ଷା, ସହଯୋଗ ଏବଂ ପାରାପରିକ ଆଲୋଚନା ପାଇଁ ସୁଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି କରିବା ଦ୍ୱାରା

111. ପାରାପରିକ ଗାନ୍ଧୀବ୍ୟାସ ହେଉଛି ଶିକ୍ଷକଟେଟ୍ରିକ ଓ ଆଧୁନିକ ଗାନ୍ଧୀବ୍ୟାସ ହେଉଛି ଶାତ୍ରମାନକୁ । ପ୍ରଥମଟିର ଏକ ବିଶେଷତା ହେଉଛି

- (1) ଶିକ୍ଷକ ହେଉଛନ୍ତି ସ୍ଵତନ୍ତ୍ର ଧରଣର ଗାନ୍ଧୀ ପ୍ରକିଷଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ପରିଚାଳନା କରନ୍ତି ଏବଂ ଶାତ୍ରମାନଙ୍କ ଆଶଗ୍ରହଣ ପାଇଁ ସୁଯୋଗ କରିଦିଅଛି
- (2) ଏହ ସମୟରେ ଶିକ୍ଷକ କଥକ ଏହି ଲିଖିତ ଗାନ୍ଧୀର ମନୋପ୍ରଦାନ କରନ୍ତି ଓ ଶାତ୍ରମାନଙ୍କର ସେବକୁ ଜୋଖି ରଖନ୍ତି
- (3) ଶିକ୍ଷକ ହେଉଛନ୍ତି ଶିକ୍ଷାର ଚକ୍ରବଧାରକ ଏବଂ ସିଏ ନିର୍ବିତ ହେବା ଉଚିତ ଯେ ତାଙ୍କ ଶାତ୍ରମାନଙ୍କର ବରାବର ସେମାନଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ପିତ୍ତବ୍ୟାର ପାଇଛନ୍ତି
- (4) ଦ୍ୱାରା ବନ୍ଦରେ ଶାତ୍ରମାନଙ୍କର ପିତ୍ତବ୍ୟାର ଏବଂ ସାମନ୍ତିବୀ ଲିଖିତ ପରାମା ଦେଇପାରନ୍ତି

ନିର୍ଭେଶାବଳୀ : ନିମ୍ନ ପ୍ରଦତ୍ତ ଅନୁଲୂଦଟି ପଡ଼ି । 112 ରୁ 120 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିଦ୍ୟାଯାଇଥିବା ପ୍ରକୃଷ୍ଟିକର ତାରାଟି ଲେଖା ସମାଧ୍ୟ ଉଚଚ ମଧ୍ୟରୁ ଯଥାର୍ଥ ଉଚଚଟି ବସନ କର :

ମନୁଷ୍ୟର ଏକ ଦୋଷ ଏହି ଯେ, ସେ ଆୟ-ଦୋଷ ଓ ଆୟ-ଦୂର୍ବଳତା କୁଞ୍ଜିପାରେ ନାହିଁ; କିନ୍ତୁ ପର-ଦୋଷ ଓ ପର-ଦୂର୍ବଳତା ଦେଖିପାରିବାରେ ସେ ଅବସ୍ଥା ଉପରା । ପ୍ରାକ୍ ଜଣପଦକର ଗୋଟିଏ ଗଛ ଏହି ଯେ—ପ୍ରେୟେ ମନୁଷ୍ୟ ନିଜ ଜୀବରେ ସୁଦୂରେ ଦୂର୍ବଳ କାର ଆପଦକ କରି ବହନ କରେ । ଆଗ ଜାରି ପର-ଦୋଷରେ ଓ ପର ଜାରି ଆୟ-ଦୋଷରେ କରି ହୋଇଥାଏ । ପଞ୍ଚ ଜାରି କୁଷ୍ମର ଅଭାବରେ ଜହିବାକୁ ସେ ଆୟ-ଦୋଷ ଦେଖିପାରେ ନାହିଁ; କିନ୍ତୁ ଆଗ ଜାରି ସୁଦୂରେ ଆଜ୍ୟାଗରେ ଥିବାକୁ ସେ କେବଳ ପରଦୋଷମୂଳିକ ଦେଖିବାକୁ ପାଏ । ଆମମାନଙ୍କ ଦେଇନିଜ ଜୀବନର ଗୋଟିଏ ଦିନ ଏହି ଦୂର୍ବଳରେ ଅଭାବ ସୁଦୂର କାବରେ ପ୍ରକଟିତ ହୋଇଥାଏ । ଜାରା ଏହା ସମ୍ପଦର ଅନୁଷ୍ଠାତି ଯେ, ସାଧାରଣତଃ ଲୋକେ ଦିବାରେ, ଯେମାନଙ୍କ ନିଜର କୌଣସି ଅପରାଧ ନାହିଁ,—କରିବା ଯେତେ ଅନ୍ୟାୟ ସବୁ ଅନ୍ୟମାନେ କରୁଛି ।

ନିଜ ଦୋଷ-ଦୂର୍ବଳତାକୁ ନ ପାଥୋରି ପରର ଅପରାଧକୁ ଦୟାକୁ ଭାବରେ ବିଭାର କରିବା ସମାଜକ ବାଧା । ଅପରାଧକୁ ବିଭାର କଳାଦେବେ ବହୁଶା ପ୍ରୁଦ୍ୟନ କଲେ, ସେଥିରେ ମନୁଷ୍ୟର ଦେବତ୍ବ ଦିକଶିତ ହୁଏ । ଏହା ସେବାରେ ଭାକର ଏହି ପ୍ରସିଦ୍ଧ ନାଚକରେ ସୁନ୍ଦର ଭାବରେ ଦୟକ କରିଥାଏଟି । ପ୍ରତିହିୟା ଓ ଶାର୍ତ୍ତ ଅପେକ୍ଷା କ୍ଷମା ଓ କୁରୁଶାରେ ସେ ମନୁଷ୍ୟର ଦେବତ୍ବ ଦିକଶିତ ହୁଏ, ଏହା କେହି ଅୟାକାର କରିବେ ନାହିଁ । ଏବେଳେ କ୍ରମ-ପ୍ରମାଦ ସମ୍ପଦ ଜୀବନରେ ଘଟେ । ତେଣୁ ଅନେକ କ୍ଷେତ୍ରରେ କ୍ଷମାକରଣ କରିବା ଓ ଦୟ ଦେଇବ ମଧ୍ୟ ଅପରାଧୀ ପ୍ରତି ମନୁଷ୍ୟର ଦୟବହାର କରିବା ଉଚିତ । ତା' ପରେ ଆହୁରି ବିଭାର ଭାବରର କଥା ଏହି ଯେ, ଅନ୍ୟାୟ ଓ ଅପରାଧ ଅନେକ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଅପରାଧାର ଚିକରି ଅପେକ୍ଷା ପାରିପାର୍ଶ୍ଵକ ଘଟଣା ଉପରେ ଅଧିକ ନିର୍ଭର କରେ । ଦେଖାଯାଉଛି ଯେ, ଅନେକ ସାଧୁଗୋଟ ମଧ୍ୟ ଅବସାନକୁରେ ଏପରି ଅନ୍ୟାୟ କରିଅଛନ୍ତି, ଯାହା ଜିନ୍ତୁ ଅବସାରେ ଥୁଲେ ସେ କେବେଳେରେ କରିନଥାଏ । ତୁଳିଷବେଳେ ସୁଧାଯତନା ସମ୍ବେଦନପାଇ ମାଆ ପ୍ରାଣର ଶିଶ୍ରୁତ ସାମାଜିକ ଆନନ୍ଦକାରୀ ବିକ୍ରମ କରିଦେବାର ଓ ଆହୁରବେଳେ ନିଜ ସାମାଜିକ ସଙ୍ଗେ କରନ୍ତି ଭାବର ଦେଖାଯାଉଛି । ଜୀବନର ଏ ପ୍ରକାର ସାମାଜିକ

ଅବସାରେ ପଡ଼ିବେ, ପ୍ରେୟେ ମନୁଷ୍ୟ ଯେ ଏପରି କରନ୍ତି ଏବିବେ, ଏଥିରେ ସମେହ ନାହିଁ । ଜୀବନରେ ଏପରି ଅନୁକ୍ରମ ନାମା ପ୍ରକାର ଘଟଣାକୁ ଅଛି, ଯେବେଥିରେ ଅନ୍ୟାୟ ଅପରାଧ କରିବା ବିଶେଷ ବିତ୍ତରେ କଥା ହୁଏଁ । ଏବେଳେ ମନୁଷ୍ୟ ପ୍ରମପ୍ରବଣ, ତା'ପରେ କ୍ରମପ୍ରମାଦ ପାଇଁ କରିବାରେ ପ୍ରକାରନ ଓ ଜପାନକର ଅଭାବ ନାହିଁ । ସବୁ କୁଞ୍ଜିରୁ ମନୁଷ୍ୟ ପ୍ରତି କଠୋଳ ବ୍ୟବହାର ନ ହରି ଅନୁଭାବ ଓ କ୍ଷମା ଯେ ସର୍ବଧା ବିଧେୟ, ତାହା କେହି ଅୟାକାର କରିବେ ନାହିଁ ।

112. ମନୁଷ୍ୟ କେଉଁଥିରେ ଅଭାବ ଉପରା ?

- ନିଜ ଅନୁକ୍ରମ ପ୍ରକାଶରେ
- ପାପୋରିବାରେ
- ପର-ଦୋଷ ଓ ପର-ଦୂର୍ବଳତା ଦେଖି ପାରିବାରେ
- ଆୟଦୋଷ କୁଣ୍ଡିବାରେ

113. ଆଗ ଜାରି କରିବି ଥାଏ ?

- ଅପରାଧ କରିବେ
- ଆଜି ଆଗରେ
- କୁଷ୍ମର ଅଭାବରେ
- ଦୂର୍ବଳତା କିତରେ

114. କେଉଁଥିରେ ଦେବତ୍ବ ଦିକଶିତ ହୁଏ ?

- କ୍ଷମା ଓ କୁରୁଶାରେ
- ଦୟ ଯୋଗେ
- ଅପରାଧ ନକରିବାରେ
- ଦୟ ବିଧାନରେ

115. ଅବସ୍ଥା ଚକ୍ରର କିଏ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବର୍ଣ୍ଣି ?

- (1) ଅପରାଧମାନେ
- (2) ଅନେକ ସାଧୁତୋକ
- (3) ଆୟଦୋଷମାନେ
- (4) ଅନେକ ସାଧାରଣ ଲୋକ

116. ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଓ ଅପରାଧ କାହା ଉପରେ ଅଧିକ ନିର୍ଭର କରେ ?

- (1) ଆବଶ୍ୟକ ଉପରେ
- (2) ଅନୁକଳୀ ଉପରେ
- (3) ନିଜ ବିବେକ ଉପରେ
- (4) ପାରିପାର୍ଶ୍ଵ, ଘରଣା ଉପରେ

117. ଭୂମ-ପ୍ରମାଦ ପାଇଁ କରନ୍ତରେ କାହାର ଅଭାବ ନାହିଁ ?

- (1) ଦେବତା ବିବାହର
- (2) ପ୍ରଗୋତ୍ତନ ଓ ଉପାଦାନର
- (3) ଅବସ୍ଥା ଚକ୍ର
- (4) ମାନବିକ ବ୍ୟବହାରର

118. ସାମାଜିକ ଖାଦ୍ୟକାରୀ ମାର୍କ୍ କ'ଣ କରିବାର ଦେଖାଯାଉଛି ?

- (1) ଅପରାଧ କରିବାର
- (2) ଭୂମ-ପ୍ରମାଦ ନିର୍ଭର
- (3) ପ୍ରାଣୀ ଶିଶୁ ବିକ୍ରୟ କରିବାର
- (4) ଉତ୍ସ କରିବାର

119. ମନୁଷ୍ୟ କରନ୍ୟ ଆବଶ୍ୟକ କେବେବେଳେ କରେ ?

- (1) ବିବେକ ବିବାହରେ
- (2) ସାଂସାରିକ ଅବସ୍ଥାରେ ପଢ଼ିଲେ
- (3) ଭୂର୍ଜୀଷ ସମୟରେ
- (4) କୁଳ କରିବା ସମୟରେ

120. ଏହି ଭାଗଟି କେହିଥରେ ଉଠି ହୋଇଥାଏ ?

- (1) ଭୂମ ପ୍ରମାଦରେ
- (2) ଅପରାଧ ଶୂନ୍ୟତାରେ
- (3) ପର ଚୋଷନରେ
- (4) ଆୟଦୋଷରେ

Candidates should answer
questions from the following
Part only if they have
opted for ODIA as
LANGUAGE-II



ଭାଗ—V : ଭାଷା—II

ଓଡ଼ିଆ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ : ନିମ୍ନ ପ୍ରଦର ଅନୁଲୋଦତି ପଢ଼ ଏବଂ 121 ରୁ 126 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିଆୟାରଥ୍ବକ ପ୍ରତିକ୍ରିତକର ୫ଟି ଜ୍ଞାନୀ ସମାବ୍ୟ ଜରର ମଧ୍ୟରୁ ଯେଥାର୍ଥ ଉଚ୍ଚତା କର :

ଯଦି ଜାତୀୟଭାର ସୁଖ ସରିଆସୁଛି, କେବେ ଆମର ଜାତୀୟଭାରକୁ ଦୂର୍ବଳ ରହିଥିବାକୁ ଝୋତନା କାହିଁକି ? ଏକାଥରେ ଆନନ୍ଦପାତିତ ହେବା ! ଭାବସିକତାରେ ଦୁଇଥିବା ମଣିଷ ହୋଇ ସାହିତ୍ୟର ପରିପ୍ରକାଶରେ କାହାକୁ ଦୁଃଖବା ଅନାବଶ୍ୟକ । ମାତ୍ର ଏକଥା କେହି ଦୁଇଥିବା ପରି ତ ମନେ ହେଲାର୍ଥି ! ଜାତୀୟ ଉଚ୍ଚତା ବୁଝାମାନଙ୍କ କମ୍ ସବେଳ, ଅଧିକ ଅବଦେଶକା । ଲୋକାରେ ପାତାପାତା କାହିଁ ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରି ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରି ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରିବାର କାରଣ କରିବ ଶତାବ୍ଦୀରେ ଜାତୀୟଭାର ଭାବରେ କରିବ ହେବାର ସୁରକ୍ଷା ସୁଯୋଗ ଓ ଉଚ୍ଚତାବାସା ହୁବରିବା କରିଛନ୍ତି । ଏଇ ଶତାବ୍ଦୀରେ ଓଡ଼ିଶା ସମେତ ସମସ୍ତ ଦେଶ ଅର ଗୋଟିଏ ମୂଳ୍ୟବାନ ସମ୍ବନ୍ଧ ଅର୍କନ କରିପାରିଥାନ୍ତା—ଗଣଭାବିକ ମୂଳ୍ୟବୋଧ ପ୍ରତି ବିଶ୍ୱାସ । ଦୁଆ ସ୍ଵାଧୀନତା ପାଇ ଶାଶ୍ଵତିକ ଜାବନଧାରାକୁ ଆବରି ନେଇଥିବା ଗୋଟିଏ ଦେଶଠାରୁ ଏହିଯା ଆଶା କରାଯାଏ । ଗଣଭାବିକ ମୂଳ୍ୟବୋଧ ପ୍ରତି ଶୁଣି ସମ୍ବନ୍ଧ ଧରି କୁନ୍ତୁ ଆମେ ଏକବିଷ ଜାତାବାକୁ ଯାଇଲାକୁଁ । ଯାଉଛୁ ତୁଳାତିଶ୍ରୀ ବାହନ ପ୍ରତି ପ୍ରତ୍ୱର ମମମ ଧରି ।

ଗୋଟିଏ ଶତାବ୍ଦୀ ଭିତରେ ଆମେ କଣ ଅର୍କନ କରିବୁ ହେ କଥା ହାତି ଆମେ ଆମର ପୌଢ଼କ ସମ୍ବନ୍ଧକୁ କେତେ ସଞ୍ଚି କରି ରଖାପାରିବୁ ସେ ବିଶ୍ୱାସ ଦିଗଭାର କଲେ ମଧ୍ୟ ନିରାଶ ହେବାକୁ ପଡ଼େ । ସୁରାତନ କିମ୍ବା ଯାହା ମୂଳ୍ୟବାନ ଜାତା ଯରୁରେ ସାହାର ହେବା କିମ୍ବା କୁହେଁ, ବଜାର ରଖାଯିବା ଜିନିଷା । ବଜାର ରଖିବା ସହଚ କଥା କୁହେଁ ଏବଂ ଏହା ହାତିର ଦୟାଭବୋଧ ଓ ଦୂରଦୃଷ୍ଟିକୁ ଅପେକ୍ଷା କରେ । ଉତ୍ସବରେସୁଦୂପ ଅତାତରେ ଗୋଟିଏ ଜାତିର ବାରତକୁ ସେ ବର୍ଷମାନ କିପରି ବଜାର କରିବ ? ଉତ୍ସବର ବାରତପୂର୍ବ ଅଧ୍ୟାୟକୁ ଅନ୍ୟମାନକ ଆଗରେ ବନ୍ଦିଷ ଭାବେ ଉପରସନ କରିବାର ନିଷା, ଅଧ୍ୟକସାୟ, ପ୍ରତିକା ଓ କିମ୍ବା ଆମର ଅଛି ? କାହିଁ ଗୋରବ ସମ୍ବନ୍ଧରେ, ଭିତରେ ଅବିଶ୍ୱାସ ଓ ବାହାରକୁ ନିରାଶରେ ଛିଡ଼ାହୋଇ ବାହାରୋଟ ମାରିବାର କି ମୂଳମ ?

ଦୂରତା କଥା, ସୁରକ୍ଷେତ୍ରରେ ବାରତ ପ୍ରକାଶ ନାରୀଭାର ସୁଖ ଶେଷ ହୋଇଛି । ସୁହ ପ୍ରତି ମଣିଷର ମନୋଭାବ ବଦଳିଛି । ଅନ୍ୟାୟ, ଦାର୍ତ୍ତିତ୍ୟ ଓ ଅଞ୍ଚାନ ବିନ୍ଦୁଭାବର ସାମ୍ରାଜ୍ୟର ମଧ୍ୟ ବାର ଓ ଭାକର ବାରାହିତ ଆଦର ହେବା ଭିତର ଦୋକି ଦିନ୍ଦିନ ଶତାବ୍ଦୀ ଶେଷଭାବରେ କାହାକୁ ଦୁଃଖବା ଅନାବଶ୍ୟକ । ମାତ୍ର ଏକଥା କେହି ଦୁଇଥିବା ପରି ତ ମନେ ହେଲାର୍ଥି ! ଜାତୀୟ ଉଚ୍ଚତା ବୁଝାମାନଙ୍କ କମ୍ ସବେଳ, ଅଧିକ ଅବଦେଶକା । ଲୋକାରେ ପାତାପାତା କାହିଁ ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରି ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରି ଉଚ୍ଚତାର ଦୁଆ ମାର୍ଗରେ ପରାଶା-ନିରାଶା କରିବାର ପରିଷିତିରେ ବାରତର ସଙ୍ଗ କ'ଣ ଓ କାହିଁ କିପରି ବାର-ପ୍ରସରିବା ହେବ ସେ ବିଷୟରେ ଧାରେ ସବେଳ କି ?

121. ବିଷ ହୋଇ ସାହିତ ପାନ୍ତକୁ ତେର୍ତ୍ତ ପାରେନା ?

- (1) ଭାବସିକତାରେ ଦୁଇଥିବା ମଣିଷ
- (2) ଶାକସିକ ମଣିଷ
- (3) ମୁଷ ମଣିଷ
- (4) ବଦିଷ ମଣିଷ

122. ମୂଳ୍ୟବାନ ସମ୍ବନ୍ଧ କ'ଣ ?

- (1) ପୌଢ଼କ ସମ୍ବନ୍ଧ
- (2) ବାରତ ପ୍ରକାଶ
- (3) ଜାତୀୟଭାର
- (4) ଗଣଭାବିକ ମୂଳ୍ୟବୋଧ ପ୍ରତି ବିଶ୍ୱାସ

123. କେତେଠି ବାରତ ପ୍ରକାଶ କରାଯାଏ ?

- (1) ସୁହ କ୍ଷେତ୍ରରେ
- (2) ଅନ୍ୟାୟ ପରିଷିତିରେ
- (3) ଏକବିଷ ଶତାବ୍ଦୀରେ
- (4) ସ୍ଵାଧୀନ ଦେଶରେ

124. ବଞ୍ଚାର ଜଣୀଯିବା କିନିଷ କ'ଣ ?

- (1) ପୈଢ଼କ ସମ୍ପଦ
- (2) କାର୍ଡର ଗୋଟିବ
- (3) ପୁରାତନ ଲଭିତାଏ
- (4) ପୁରାତନ ଉଚ୍ଚ ଯାହା ମୂଳଧାର

125. ଏକବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀ ଆମେ କ'ଣ ଧରି ଯାଇଛୁ ?

- (1) ଆମ ବୀରବ୍ରତ ଧରି
- (2) ନିକର ସମ୍ବାନ୍ଧ ଧରି
- (3) ଦୁର୍ମାତ୍ରିଷ୍ଟ ଜୀବନ ପ୍ରତି ପ୍ରତ୍ୱର ମମବାଧରି
- (4) ଅର୍ଜିଥିବ ଜାତୀୟଭାବୁ ଧରି

126. 'ପତେବନ'ର କିପରାତ ଅର୍ଥବୋଧକ ଶବ୍ଦ କ'ଣ ?

- (1) ଅଦେଦନ
- (2) ଅର୍ଜୁଦେଦନ
- (3) ଅବଦେଦନ
- (4) ଦେଦନ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶବଳୀ : ଉପଯୁକ୍ତ ଭରତ ବାବ୍ଦ ନିର୍ମଳିତ ପ୍ରକଳ୍ପିତ ଭରତ ବିଧି (127 ରୁ 141) :

127. ପଠନ ପରାଯାରେ କେମିତି ମାର୍କ ଦେବ

ପ୍ରସ୍ତୁ : ମାତିଆତିର ଏକ ବିକୃତିପ୍ରାୟ ପ୍ରାଣୀ ବି ?

ଭରତ (୧) : ନା, ତେବେ ଏମାଜେ କମ୍ ଦେଖାଯାଇଛନ୍ତି ।

ଭରତ (୨) : ମାତିଆତିର ପ୍ରାୟ ବିକୃତିର ପାଦନେଶରେ ।

(1) ଭରତ (୩) ପାଇଁ ½ ମାର୍କ, ଭରତ (୨) ପାଇଁ 1 ମାର୍କ

(2) ଭରତ (୧) ପାଇଁ 1 ମାର୍କ, ଭରତ (୩) ପାଇଁ 1 ମାର୍କ

(3) ଭରତ (୩) ପାଇଁ 1 ମାର୍କ, ଭରତ (୧) ପାଇଁ 0 ମାର୍କ

(4) ଭରତ (୧) ପାଇଁ ½ ମାର୍କ, ଭରତ (୩) ପାଇଁ 1 ମାର୍କ

128. ଯେକୌଣସି ପାଠ୍ୟ ସାଧାରଣ ଭାବେ ତୁମ୍ଭେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଉପରେ ଯିର କରିବାରେ ପଠନ କୌଣସି ବ୍ୟବହୃତ ହୋଇଥାଏ ଯାହା ପାତ୍ରକାହାକୁ ଏକ ପ୍ରସମ୍ଭ ତୁମ୍ଭିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରିଥାଏ

(1) ପୂର୍ବାବୁମାନ

(2) ସାରାଂଶ କଥନ

(3) ଭିତର ଅଶ୍ଵର ସଫଳ ପରାଯା

(4) ସାରାଂଶ ଜାଣିବା ପାଇଁ ଶାସ୍ତ୍ର ପଠନ

129. ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତିଗଣ ଏକ ସ୍ମୃତି ନାଟକ (ସ୍ଥିତି) 'ପ୍ରସିଦ୍ଧ ରାଜ୍ୟ ନନ୍ଦସି' ଲେଖିଛନ୍ତି । ରାଜୋଟି ଚରିତ୍ର ଏହି ଦର୍ଶକ ଧାର୍ତ୍ତିରେ ଏଥା ସମିତି ପ୍ରତ୍ୟେକ ଚରିତ୍ର କେବଳ ଗୋଟିଏ ପ୍ରକାରର ରାଜ୍ୟ ରତ୍ନଗଣ କରିବେ । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟଟି ଏକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଆର୍ଥାୟକୁ ଦ୍ୱାରାନ୍ତିତ କରିଆଏ

- (1) ପଠନ ପରିବର୍ତ୍ତା କାର୍ଯ୍ୟଧାରୀ
- (2) ଲିଖନ ପୂର୍ବବର୍ତ୍ତା କାର୍ଯ୍ୟଧାରୀ
- (3) ବ୍ୟାକରଣ ବ୍ୟବହାର
- (4) ରାଷ୍ଟ୍ରାର ବ୍ୟବହାର

130. ଢୁଟୀଯ ଶ୍ରେଣୀର ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତି ସର୍ବନାମକ ବନାଇ ବିବାହ ପାଇଁ କେଇଁଟି ଯଥାର୍ଥ ଉପାୟ

- (1) ଛୁଟିର ବ୍ୟବହାର ପ୍ରଦର୍ଶନ ଓ ଆଲୋଚନା
- (2) ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତିମାନଙ୍କ ଯେକୋଣେ ବିଷୟରେ ମନ୍ତ୍ରମନ ଲେଖନ
- (3) ପ୍ରଦର୍ଶନ ବିଷୟର ପୁଞ୍ଜାନୁସଂଖ୍ୟା ଆଲୋଚନା
- (4) ବୋର୍ଡ ଉପରେ ଏକ ବିଶେଷ ରୂପରେଖା ସ୍ଵଦନ

131. ତମ କ୍ଲ୍ଯାସରେ କୌଣସି ବିଷୟରେ ଅଧ୍ୟାତ୍ମ ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତି ରାଜାତାରେ କହିବାକୁ ରାଜ କହୁଛନ୍ତି । ଏହାକୁ କୁଠ କରିବା ପାଇଁ ତମେ କ'ଣ କରିପାରିବୁ?

- (1) କ୍ଲ୍ଯାସରେ କୌଣସି ଏକ ଆବଶ୍ୟକ ରାଜ୍ୟ ଦେବାବେଳେ ସରନ ବିଷୟର ଜହାନ୍ତ୍ୟାପନ କରିବା
- (2) ଅନ୍ୟମାନଙ୍କର ଉପଲବ୍ଧାପନ ଶେଷ ହେବାବେଳେ ସେମାନଙ୍କୁ କହିବା ପାଇଁ ସୁଯୋଗ ଦେବା
- (3) ଉତ୍ସ୍ଥ-ରାଷ୍ଟ୍ରାର ହେମାନଙ୍କୁ କ୍ୟାତିଗତ ରାଜ୍ୟ ଶିକ୍ଷା ଦେବା
- (4) ତୁରଜତିଆ କିମ୍ବା ଶୋଟ ଶୋଟ ବଜଇଲେ ବିରାଜ କରି ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତିଙ୍କୁ ଲେଖନ ଓ ନିକ ଉପଲବ୍ଧାପନକୁ ବାରାଯର ଦୋହାଜବାକୁ ସୁଯୋଗ ଦେବା

132. ଶ୍ରୁଦ୍ଧ କୌଣସର ଅର୍ଥାୟ ପାଇଁ ଶିକ୍ଷକ ଏପରି ଏକ ହାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବେ ଯେଉଁଥରେ ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତି ତତ୍ତ୍ଵ ଘୋଷଣା ଶୁଣୁଥିବେ ଏହି ପ୍ରେନର ପହାର୍ଦ୍ଦିବା ଏହି ପ୍ରକାର ସମୟକୁ ପରିଷିଦ୍ଧ ତେବେଳରେ ସୁରକ୍ଷା କରିବେ । ଏଠାରେ ହାତ୍ରୁକ୍ରାନ୍ତିରେ

- (1) ଅଭିଭ ରେକର୍ଡିଙ୍ ଉପରେ ଆଧ୍ୟାତ୍ମ ଏକ ତେବେଳକୁ ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିର୍ମାଣିବେ
- (2) ଏକ ଯୋଗଣାକୁ ବଢ଼ି ପାଇଁରେ ପର୍ମାଥ୍ରିବେ
- (3) ତେବେଳରେ ପ୍ରତିର ଉଥ୍ୟର ବ୍ୟାଖ୍ୟା ନିର୍ମାଣିବେ
- (4) ଶ୍ରୁତ ତତ୍ତ୍ଵକୁ ଦେଖୁଥିବେ

- 133.** ଏକ ଦୂରନ ରାଷ୍ଟ୍ରା ଶିକ୍ଷାବେଳେ ଯୋଜ ପରିପକ୍ଷତା ବିଷୟରେ ବିଦେଶୀ ରାଷ୍ଟ୍ରାର ଏକ ବିଗଚୁ. ଅଛୁଟି ନିର୍ଭେଦ କରିଥାଏ
- (1) ସାଧାରଣରେ ଆହରଣ
 - (2) ଆହରଣରେ କୁଷ୍ଟତା
 - (3) ଦଶତାର ହ୍ରାସ
 - (4) ପୂର୍ଣ୍ଣମାତ୍ରାରେ ଦଶତା କାର
- 134.** ‘ଉ-ଲାର୍ଟ୍’ ହେଉଛି
- (1) ପଢ଼ ବିନିମୟ ଶିକ୍ଷା
 - (2) ପିଲ୍ ଉତ୍କୁମେଖାରା
 - (3) ପ୍ରୟୁକ୍ତି ବିଜ୍ଞାନ ମାଧ୍ୟମରେ ଶିକ୍ଷା
 - (4) ହାର୍ଡିଙ୍ଗ୍ରେନ୍ଡର ଉପରେ ଅତ୍ୟଧିକ ନିର୍ଭରଣୀକ
- 135.** ଏକ ଦୂରନ ରାଷ୍ଟ୍ରା କ୍ଲ୍ୟାରେ ଗୋଟିଏ ଲକ୍ଷ୍ୟ-ରାଷ୍ଟ୍ରାର ନିର୍ଭିତ ଏବଂ କଥାତ କୃପ ମଧ୍ୟରେ ଥୁବା ପାର୍ଥକ୍ୟ କଣିକା ପାଇଁ ହାତ୍ରୁହାତ୍ରୁମାନକୁ — ପ୍ରତି ଉପାଦିତ କରାଯିବା ରହିଛି।
- (1) ଲକ୍ଷ୍ୟ-ରାଷ୍ଟ୍ରାରେ ଲେଖା ହୋଇଥିବା ଅଧିକ ବହି ପଢ଼ିବା
 - (2) ରଂଗାଚାରେ ଅଧିକ ଲେଖିବା
 - (3) ଅଧିକ ଦୂରନ ରାଷ୍ଟ୍ରା ପିଲ୍ ହେଲିବା
 - (4) ଲକ୍ଷ୍ୟ-ରାଷ୍ଟ୍ରାରେ କଥାବାରୀ କରିବା
- 136.** ଏକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ରାଷ୍ଟ୍ରାରେ ଦଶତା ହ୍ରାସର କରିପାରି ନଥିବା ହାତ୍ରୁହାତ୍ରୁକ ପାଇଁ ଶିକ୍ଷା ବାର୍ଷିକ୍ରୂମ ପ୍ରସ୍ତୁତ କଲାବେଳେ ସେମାନଙ୍କ ସମବ୍ୟବ୍ସ ହାତ୍ରୁହାତ୍ରୁକ ବାର୍ଷିକ୍ରୁ ଏପରି କୁହାଯାଇ ଥାଏ
- (1) ସାରାଶ କାମନ
 - (2) ପୁନଃ ପ୍ରସ୍ତୁତିକରଣ
 - (3) ହୃଦିମାର୍ଜନ
 - (4) ପୁନଃପଠନ
- 137.** ମିଶନିକି ରାଷ୍ଟ୍ରା କାରିଥିବା ଗୋଟିଏ କ୍ଲ୍ୟାମ୍ବରେ ହାତ୍ରୁହାତ୍ରୁଗଣ ଏପରି ଏକ ପାଠ୍ୟ ଖେଳା ପଥର କରିଥାଏ ଯାହା
- (1) କେତେକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ହ୍ରାସରେ ହାତ୍ରୁହାତ୍ରୁଗଣଙ୍କ ଏବଂ ପ୍ରତର ଗଠିତ ରୋଷାରେ କଣିକାର ପୁଯୋଗ ଦେଇଥାଏ
 - (2) ବିଭିନ୍ନ ରାଷ୍ଟ୍ରାର ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ମହା ଭାବ ବିନିମୟର ପୁଯୋଗ ଦେଇଥାଏ
 - (3) ଗଠିତ ଏବଂ ରାଷ୍ଟ୍ରା ଉପରେ ଅଧିକ କୋର ଦେଇଥାଏ
 - (4) ପ୍ରାତି ଏବଂ ରାତ୍ରା ଉପରେ ଦୃଷ୍ଟିପାଦ କରିଥାଏ

138. ଭ୍ରମ ଧାରଣାତ୍ତ୍ଵ ବାଟ : ଶାତ୍ରାତ୍ରାଙ୍କ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଡେଢ଼ିଆ ଭାଷାର ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକଗୁଡ଼ିକ

- (1) ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଣାଳୀର ଘରଗ୍ରହମତ୍ତୁ ଅନୁକ୍ରମ ନିର୍ଦ୍ଦେଖ କରିଥାଏ
- (2) ରେଖ୍ୟ ଉପର୍ଯ୍ୟାପନରେ ଭାବସାମ୍ୟ ରଖିଥାଏ
- (3) ଶିକ୍ଷଣୀୟ ଅନୁକ୍ରମିତ ଉପର୍ଯ୍ୟାପନ କରିଥାଏ
- (4) ଶିକ୍ଷଣାଳକ ପାଇଁ ପୁଣ୍ୟପୂଜ୍ଞ ପାଠ୍ୟଗୋଟନ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଥାଏ

139. ଭାଷା ଶିକ୍ଷଣାବେଳେ ସାଧାରଣତଃ ବ୍ୟାକରଣପତ୍ର ତୁଳି ଦେଖାଯାଇଥାଏ ସେଥିପାଇଁ ଶିକ୍ଷଣ

- (1) ବ୍ୟାକଲେ ହୁଳ କଲାବେଳେ ସେମାନଙ୍କ ତୁଳିତ ସଂଶୋଧନ କରାଯାଇଥାଏ ଯାହା ଦୂର ସେମାନେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ତୁଳି ଦେଖି ସୁଧାରିଥାଏ
- (2) ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ କଥନ ବା ପଠନ ଜେଣ ଯାଏ ଶିକ୍ଷନ ଅପେକ୍ଷା କରିବେ ଏବଂ ତା'ପରେ ସାଧାରଣ କୁଳ ପାଇଁ ସଂଶୋଧନ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ନେବେ
- (3) ସ୍ମାରକିତ ଭାବେ କୁଳ କରିବା ପାଇଁ ଛାତ୍ର ଦେଇଥାଏ
- (4) ହୃଦୟ ଶାତ୍ରାତ୍ରାଙ୍କ ବିଦ୍ୟବ୍ରତି ସେମାନଙ୍କ ଅଭିଭାବିତ ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସ୍ମୃତି କୁଳର ଆଯୋଜନ କରିଥାଏ

140. ଅନ୍ତିମ, ଅମଳୋଯୋଗୀ ଶାତ୍ରାତ୍ରା ଗର୍ଭପୂର ଥିବା ଏକ ଭାଷା କୁଳରେ ଉପେ ବିଦେଶୀ/ଅନ୍ୟ ମାତ୍ର ଭାଷାର ଶିକ୍ଷକ ଅନେକ ସମୟରେ ନାମ ସମସ୍ୟାର ସମ୍ବ୍ଲାନ୍ତ ହୋଇଥାଏ । ଏହା ଫଳପ୍ରଦ ହୋଇଥାଏ

- (1) କୁଳକୁ ସମେଧିତ କରୁଥିବା ବିଷୟ ଉପବେଷକ ସାହ୍ୟ ନେବା ଦୂରା
- (2) ଅମଳୋଯୋଗୀ ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ବିଦ୍ୟବ୍ରତ କରିବ ଓ ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ସ୍ମୃତି କୁଳ ନେବା ଦୂରା
- (3) ପ୍ରଦର ଆସାନମେତ୍ରକୁ ଜେଣ କରିବାକୁ ନିଜ ସମୟ ଅନୁସାରେ ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନଙ୍କୁ ଉପାର୍ଥିତ କରିବା ଦୂରା
- (4) କୁଳରୁ ଶିକ୍ଷାକୁ ଅଧିକ ମୂଳବିଳାସମ ଏବଂ ଆଜିଶୀଘ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ନାମ ସଂକଳି ଏବଂ କୌଣସି ବ୍ୟବହାର କରିବା ଦୂରା

141. ଭାଷା ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ କିମ୍ବା ଭାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ଦୂରା ଶିକ୍ଷାଭାବ କରିଥାଏ । କେଉଁ ଭାର୍ଯ୍ୟ ଏହି ପର୍ଯ୍ୟବେଶମକୁ ସମ୍ମର୍ଦ୍ଦ ଦେଇଥାଏ ?

- (1) ପ୍ରଦର ବିଷୟର ଅର୍ଥକୁ ଉପଭାବେ ଚୂପାଇବା ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କ ମାତ୍ରଭାଷାର ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ଉପାର୍ଥିତ କରିଥାଏ
- (2) ବାହ୍ୟବ୍ରତ ଅବାସ୍ତବ ବିଷୟ ଆନ୍ତର୍କୁ ପାଇଥାଏ
- (3) ଶିକ୍ଷକ ଲେଖା ଓ କଥାବାରୀ କରିବା ଶୈଳୀର ଉପଭାବରେ ଦେଇଥାଏ ଏବଂ ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ଭାଷା ମେଣିଥାଏ ।
- (4) ଅଭ୍ୟାସ କରିବା ଏବାଟ ଜନ୍ମଗୀ ଦେଇବାକୁ ଦେଇଥାଏ ଏବଂ ଏହା ଅଭ୍ୟାସ କାରି ଗଣିବାକୁ ସାହ୍ୟ କରିଥାଏ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ : ନିମ୍ନ ପ୍ରଦତ୍ତ ଅନୁଲୋଦତି ପାତ୍ର ଏବଂ 142 ରୁ 150 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦିଆଯାଇଥାର ପ୍ରସ୍ତୁତିକର ଭାଗୋଟି ଲେଖାଁ ସମୟ ଉଚିତ ମଧ୍ୟରୁ ଯଥାର୍ଥ ଉଚିତ ଉପରେ କର :

କୋଣେକୋରଙ୍କ ମତରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ଏବଂ ଭାବଧାରା ସମ୍ମନ ମହିଷିରେ ଜାଳ ରହି ଦିଲ୍ଲାର ହୋଇଥିଲା ପରାହର ସହିତ ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶାଳୀ 'ନୋଡ୍' (Node) ବା ପଦ ମଧ୍ୟରେ ଗଛିତ ଥାଏ । ପୁନଃ, ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ମହିଷିର ବିରିନ ଅଞ୍ଚଳରେ ଜାହା ରିନ ଭିନ୍ନ ଭାବେ ବିଜ୍ଞାବ ହୋଇଥାଏ । ଏଣୁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିର ଭାଷା ପ୍ରବାନ୍ଦେଶ୍ଵରୀ, ଆହୁମି ହାପ ଗଛି ଅନ୍ୟାନ୍ୟକାଳୀତ୍ର ସ୍ଵର୍ଗ ହୋଇଥାଏ । କୌଣସି ହୁଇବାକାଳୀରେ ଏହା ସମାନ ହୁଏ ନାହିଁ । ତାକ ମତରେ ମନେକର ତୁମେ 'ଗାର' ଶବ୍ଦଟି ଜହିନକୁ ଶାହୁଁ । ସମସତ୍ୱ ତୁମେ ଗାର ଛବିଟି ଦେଖିଲ ବିମା ବୁଲ ସହିତ ଆକାପ ସମୟରେ ଏହା ବିଶ୍ଵିଶରେ ତିରା କଲା । ଏଥୁ ପାଇଁ ମନ ପ୍ରଥମେ ଗାର ପାଇଁ ଉଦ୍‌ଦିଷ୍ଟ 'ଲେବସିକାର ନୋଡ୍'କୁ ସବ୍ରିଯ କଲା । ତୁମେ ଗାର ବିଶ୍ଵିଶରେ ଜାହା ହାଶ ସେ ସମ୍ମ ସୁଦୂର ଅଥରେ ହୁ ଗଛିତ ଥାଏ । ଏ ସମୟରେ ଅନୁସରିତ ସମାନତା ଥିବା ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବାଦ, ଅର୍ଥାତ୍ ଛେବି, ମୋଖ, ବକଦ, ଯୋଡା ଆଦିକ ସହିତ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ 'ନୋଡ୍'ଗୁଡ଼ିତ ମଧ୍ୟ ବିରିକ ସବ୍ରିଯ ହୋଇଥାଏ । ଏଣୁ ଏହି ଅବଶ୍ୟକ ତୁମେ ଗାର ଶବ୍ଦଟି ପାଇ ନ ଥାଏ । କିନ୍ତୁ, ଗାର ସଜେ ସଜେ ଦେଖିବାକି ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପରମ୍ପରା ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବହୁ ଚଢ୍ୟ ତୁମେ ମହିଷିରେ ସବ୍ରିଯ ହୋଇଗଲିଆଏ ।

ଏହାର ପରବର୍ତ୍ତୀ ସର ଦ୍ଵିତୀୟ 'ମୋହୁର' ବା 'ଲେବା' ଦ୍ୱାରା ନିଯନ୍ତ୍ରିତ ହୁଏ । ଯେତେବେଳେ ଗାର, ସମ୍ବନ୍ଧରେ କଥାକୁ 'ଲେବସିକାର' ଭାବଧାରା ଦିଆ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପରମାନନ୍ଦ ସମାଜୀଯ ସବ୍ରିଯ ଭାବଧାରା ଏ ପ୍ରକରୁ ଆସେ ସେତେବେଳେ ତୁମ୍ହାର କଥା ପରିପାରେ । ପ୍ରଥମତଃ 'ଲେବା' ତହୁଦୀକୁ ଆସୁଥାର ଭାବଧାରା ଭାବି ପରମ୍ପରା ପଦବିନ୍ୟାସ ଯୋଗାଏ । ଏହି ପରିବର୍ତ୍ତନ ଶବ୍ଦଗୁଡ଼ିକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ମଧ୍ୟ ହୁଏ । ଦ୍ଵିତୀୟତଃ ବିରିନ ସବ୍ରିଯ 'ଲେବସିକାର' ଭାବଧାରା ପରାହର ସବ୍ଦ ପ୍ରତିବ୍ୟକ୍ତିଗା କରାଯାଇ । ଅଧିକାଂଶ ପରେ ସବୁଠାରୁ ସବ୍ରିଯ ଭାବଧାରା ଏବଂ ସବୁଠାରୁ ଅଧିକ ସବ୍ରିଯ ସମାନକ ବାଧା ଦେବା ଶବ୍ଦ ସେତେ ଅଧିକ ହୁଏ । ଏଣୁ ତାଙ୍କୁଥିବା ଏହିଟି ଜୟନ ହେବାକୁ ଅଧିକ ସମୟ ଲାଗେ । ଲେବୋଲେଟ କରିଥିବା ଏକ ପରାମାତ୍ର ଜାଣାପଦିତି ଯେ, ଆମେ ହତାତ ଗୋଟିଏ ବସୁର

ନାମ ତୁମ୍ହରେ ନେବାପାଇଁ ହାରାଯାଇ ଏକ ସେବକେରେ 70 ହବାର ଭାବରୁ ଭାବରୁ ଭାବେ ସମୟ ନେଇ ଦିନ୍ତ, ଭାବାରି କିମ୍ବ ଭାବାରି ସବୁଷ ଶୈଶ୍ଵର ଦ୍ୱାରା ଦିନ୍ତ ଆମ ବସୁ ଦ୍ୱାରାରେ ଉପରୀତ କରାଗଲେ ସେଥିପାଇଁ କମ୍ ସମୟ ଲାଗିଥାଏ । ଅର୍ଥାତ୍, ଏକ ସେବକେରେ 80 ହବାର ଭାବରୁ ଭାବେ ସମୟ ମଧ୍ୟରେ ଏହାର ନାମ ଆମ ହୁଏକୁ ପାଇଥାଏ ।

142. 'ନୋଡ୍' ବା ପଦ ମଧ୍ୟରେ କିମ୍ ସହିତ ଥାଏ ?

- (1) ପ୍ରବାନ୍ଦେଶ୍ଵରୀ
- (2) ପ୍ରତିକ୍ରିୟାଶାଳ ଭାବ
- (3) ମହିଷି
- (4) ଶବ୍ଦ ଏବଂ ଭାବଧାରା

143. 'ଲେବସିକାର ନୋଡ୍'କୁ ପ୍ରଥମେ କିମ୍ ସବ୍ରିଯ କରେ ?

- (1) ଜହ
- (2) ମନ
- (3) ଜାତର ଛେବି
- (4) ସବ୍ରିଯ ଭାବଧାରା

144. ଭାବଧାରା ଲାଗି ଉପରୁକୁ ପଦବିନ୍ୟାସ କିମ୍ ଯୋଗାଏ ?

- (1) କୋଣା
- (2) ଗାର
- (3) ଲେବସିକାର
- (4) ପଶୁ

145. 'ଗାର' ଶହଟି କେବେ ପଦ?

- (1) ବିଷେଷଣ୍ଡ
- (2) ବିଶେଷ୍ୟ
- (3) ଅବସ୍ୟ
- (4) ସର୍ବନାମ

146. କିଏ ପରିଷର ସହ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ କରାଯାଇଥାଏ ?

- (1) ବିରିଜ ସକ୍ରିୟ 'ଜୋକ୍‌ସିନାର୍' ରାବଧାରା
- (2) ସମାନ ଧରଣର ହୀର
- (3) ପଞ୍ଚମାନକର ସମ୍ପର୍କ
- (4) ମନ ସହିତ ମନ

147. 'ସକ୍ରିୟ'ର ବିପରୀତ ଅର୍ଥବୋଧକ ଖର କ'ଣ ?

- (1) ଅଶ ସକ୍ରିୟ
- (2) ସକ୍ରିୟ ଶୂନ୍ୟ
- (3) ନିଷ୍ଠିୟ
- (4) ସକ୍ରିୟତା

148. ଅନ୍ଧକାଶ ଛାଳେ କିଏ ଦିର୍ଘଯାତ୍ରା କରେ ?

- (1) ନେବ୍ରସିକାଳ
- (2) କୃଜ୍ଞାମାନ ଚିତ୍ର
- (3) ହୋଇ
- (4) ସବୁଠାକୁ ସକ୍ରିୟ ରାବଧାରା

149. କ'ଣ କରାଗଲେ ବସ୍ତୁର ନାମ କମ୍ ସମୟରେ ତୁଣ୍ଡକୁ ଆସିଥାଏ ?

- (1) ସମର୍ଜ ଶାପନ କରାଗଲେ
- (2) ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ସୃଷ୍ଟି କରାଗଲେ
- (3) ମନ କିଟରେ ରାବନା ଆସିଲେ
- (4) ବସ୍ତୁ ଚିତ୍ର ଚକ୍ର ସମୂଖରେ ଉଠେଲାପିତ କରାଗଲେ

150. ମହିଷରେ କ'ଣ ସକ୍ରିୟ ହୋଇ ଉଠିଥାଏ ?

- (1) ଗାର ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଫେରିଲାକି ଅର୍ଥ ପଞ୍ଚ ସମର୍ଜରେ ବହୁ ଚଥ୍ର
- (2) ଜଗତ ସମର୍ଜରେ ସୂଚନା
- (3) ରାବଧାରା
- (4) ବସୁର ଚିତ୍ର

SPACE FOR ROUGH WORK

ନିମ୍ନଲିଖିତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଉଚ୍ଚ ଭାବରେ ପାଠ କରନ୍ତୁ :

1. ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରଶ୍ନରେ 4ଟି ସମାଧ୍ୟ ଉଚ୍ଚର ଦିଆଯାଇଛି । ତଥାତୁ ସର୍ବୋରମ୍ଭ ଗ୍ରହଣୀୟ ଉଚ୍ଚରକୁ ଏହି OMR ଉଚ୍ଚର ଖାତାର ପୃଷ୍ଠା-2 ରେ ନୀଳ କିମ୍ବା କଳା ବକ୍ର ପଥକ ଫେନ୍ଡରେ ଚିହ୍ନଟ କରନ୍ତୁ । ଥରେ ଚିହ୍ନଟ କଳା ପରେ ଏହାକୁ କୌଣସି ପରିଷିଦ୍ଧିରେ ବଦଳାଯିବ ନାହିଁ ।
2. ଉଚ୍ଚର ଖାତାକୁ ମୋଡ଼ିମାଡ଼ି କାଗ୍ଜ କରାଯିବ ନାହିଁ ଅଥବା କୌଣସି ପ୍ରକାର ଦାଗ ଅଥବା ଚିହ୍ନ ଲଗାଯିବ ନାହିଁ । ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଯାନ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଲାଗାରେ ଗୋଟିଏ ନମ୍ବର ଲେଖାଯିବ ନାହିଁ ।
3. ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ଓ ଉଚ୍ଚର ଖାତାକୁ ଯହରେ ରଖାଯିବ । କେବଳ କ୍ରମୀକ ନମ୍ବର ବା କୋଡ଼ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବ୍ୟତୀତ ବ୍ୟତୀତ ଅନ୍ୟ କୌଣସି କ୍ଷେତ୍ରରେ ଏହାକୁ ହସ୍ତାତର ଅଥବା ବଦଳା ଯାଇପାରିବ ନାହିଁ ।
4. ଉପଯାନ ଖାତାରେ ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ଓ ଉଚ୍ଚର ଖାତାର କ୍ର. ନ୍ର. ଓ କୋଡ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଲାଗରେ ଲେଞ୍ଜିବେ ।
5. କେବଳ ପ୍ରବେଶ ପତ୍ର ବ୍ୟତୀତ ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ପରୀକ୍ଷାକଷ୍ଟକୁ କୌଣସି ପ୍ରକାର ବହି, ଖାତା, କାନ୍ତ ବା ଉଚ୍ଚରଟ୍ରାନିକ ଯନ୍ତ୍ରାଦି ସାଙ୍ଗରେ ନେଇ ଯାଇ ପାରିବେ ନାହିଁ ।
6. ପରୀକ୍ଷକ ବର୍ଷିବା ମାତ୍ରରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ପ୍ରବେଶ ପତ୍ର ତାଙ୍କ ତନଶୀ ନିମିତ୍ତ ଦେଖାଇବେ ।
7. ପରୀକ୍ଷା ପରିଚାଳକ ବା ପରୀକ୍ଷକଙ୍କ ଅନୁମତି ଲିଙ୍କ କୌଣସି ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ନିଜ ଆସନ ଛାଡ଼ି ଯିବେ ନାହିଁ ।
8. ପରୀକ୍ଷକଙ୍କ ଉଚ୍ଚର ଖାତା ହସ୍ତାତର ନ କରି କୌଣସି ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ପରୀକ୍ଷା କଷ ଛାଡ଼ି ବାହାରକୁ ଯାଇପାରିବ ନାହିଁ । ସେମାନେ ଉପଯାନ ପତ୍ରରେ ଦୂରାଥର ସ୍ଵାକ୍ଷର କରିବେ । ଦୂରାଥ ଥରେ ଉପଯାନ ପତ୍ରରେ ସ୍ଵାକ୍ଷର କରି ନ ଥିବା ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀ ଉଚ୍ଚର ଖାତା ଦେଇ ନାହାନ୍ତି ଏବଂ ଅସାଧୁ କାର୍ଯ୍ୟରେ କିମ୍ପୁ ଅଛିଦ୍ଵିତୀୟ ବୋଲି ଧରିନିଆଯିବ ।
9. କୌଣସି ପ୍ରକାର କାବ୍କାଳେଟର ବ୍ୟବହାରକୁ ଅନୁମତି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନାହିଁ ।
10. ପରୀକ୍ଷା ପରିଚାଳନା ସଂକ୍ରାନ୍ତରେ ସୀ.ବି.ଏସ.ଇ.ର ନିୟମକାନୁନ ତୁଳାକ ରୂପେ ବିବେଦିତ ହେବ । ଅସାଧୁ ଉପଯାନ ଅବଳମ୍ବନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ବୋର୍ଡର ନିୟମକାନୁଯାୟୀ କାର୍ଯ୍ୟାନୁସାନ ଗ୍ରହଣ କରାଯିବ ।
11. କୌଣସି ପରିଷିଦ୍ଧିରେ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ଅଥବା ଉଚ୍ଚର ପତ୍ରର କୌଣସି ଅଂଶକୁ ଚିରି ବାହାର ବା ପୃଥକ କରାଯାଉପାରିବ ନାହିଁ ।
12. ପରୀକ୍ଷା ସରିଲା ପରେ, ଉଚ୍ଚର ପତ୍ରକୁ ଅବିକଳ ପରୀକ୍ଷାକଷ୍ଟରେ ଉପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପରୀକ୍ଷକଙ୍କ ହସ୍ତାତର କରାଯିବ । ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀମାନେ କେବଳ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ରକୁ ସାଙ୍ଗରେ ନେଇ ଯାଇପାରିବେ ।

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

- Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ballpoint Pen on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
- The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
- Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
- The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
- Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
- Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
- No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
- The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet, a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
- Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
- The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
- No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
- On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room/Hall. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

- प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक चूंके ही पूरी तरह नीले/काले बॉलपॉइंट पेन से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
- परीक्षार्थी मुनिष्ठित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाए। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अंतिरिक्त अन्यथा न लिखें।
- परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का व्यापार्पूर्वक प्रयोग करें, ज्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के संकेत वा संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं कार्यी जाएगी।
- परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाजिरी-पत्र में लिखें।
- परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित वा हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, योबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वा किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
- पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ।
- अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
- कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं हाजिरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़े। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाजिरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो वह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लीटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा।
- इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकल्पक का उपयोग वर्जित है।
- परीक्षा हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
- किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
- परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष/हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।